सत्यमेव जयते

-: आदेश :-

उपरोक्त प्रार्थीयों ने मेरे समक्ष उपस्थित होकर उपरोक्त प्रकार अभिलेख दुरस्ती हेतु निवेदन किया है एवं इसी दुरस्ती करने हेतु सहमति लिखित में दी गयी है। तहसीलदार द्वारा भी सहमति व्यक्त की गई है। उक्त दुरस्ती वस्तुतः [illegible]कीय त्रुटि सुधार की संज्ञा में आती है। अंकित इन्द्राज दुरस्ती परस्पर सहमति से किये जाने हेतु प्रार्थीगण ने प्रार्थना[illegible] तथा अभिलेख के आधार पर भी उक्त इन्द्राज दुरस्ती राजस्व अभिलेख में होने योग्य है। अतः निम्नलिखित इन्द्राज [illegible]ी किये जाने के आदेश दिये जाते है :-

	पूर्व इन्द्राज			स्वीकृत किया गया नया इन्द्राज		
क्र. सं.	खातेदार का नाम	खसरा नम्बर	रकबा	खातेदार का नाम	खसरा नम्बर	रकबा
1	2	3	4	5	6	7
	रामूदास पुत्र मूलदास कौम साद सा. देह शेष खाता बदस्तूर	44	0.02	रामेश्वरलाल पुत्र मूलदास कौम साद सा. देह शेष खाता बदस्तूर	44	0.02
		45	0.04		45	0.04
		योग 2	0.06		योग 2	0.06
		161	29.18		161	29.18
		164	26.18		164	26.18
		162	0.05		162	0.05
		163	0.01		163	0.01
		145	26.00		145	26.00
		46	14.14		46	14.14

उपखण्ड अधिकारी
डीडवाना
दिनांक :

क्रमांक : 552/20
प्रतिलिपि [illegible]नार्थ :- 8/9/20
1. तहसीलदार डीडवाना।

उपखण्ड अधिकारी
डीडवाना
दिनांक :

क्रमांक :
प्रतिलिपि [illegible]नार्थ :-
1. पटवारी हल्का ....को भेजकर लेख है कि अन्य न्यायालय का स्थगन नही हो तो निर्णयानुसार [illegible]ना सुनिश्चित करें।

तहसीलदार डीडवाना

Signature Not Verified
Digitally signed by Anshul Singh
Date: 2020.10.08 14:49:39 IST
Reason: SelfAttested

Scanned by CamScanner